विधानमंडल समिति प्रणाली को सशक्त बनाने पर जयपुर में मंथन

जून में लोकसभा को रिपोर्ट सौंपेंगी पीठासीन अधिकारियों की समिति

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। देशभर के विधान मंडलों की समिति प्रणाली को अधिक प्रभावी, सक्रिय और एकरूप बनाने के उद्देश्य से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा गठित सात पीठासीन अधिकारियों की उच्च स्तरीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को जयपुर स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित हुई।

समिति की इस द्वितीय बैठक में नरेंद्र सिंह तोमर की अध्यक्षता में राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम विधानसभाओं के अध्यक्षों ने भाग लिया। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सभी अतिथियों का पारंपरिक राजस्थानी आतिथ्य के साथ स्वागत किया।

बैठक में विधान मंडलों की समितियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए सभी राज्यों में समिति प्रणाली में एकरूपता लाने, समितियों को अधिक प्रभावशाली बनाने, विधायकों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा समितियों की रिपोर्ट पर राज्य सरकारों द्वारा प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।डॉ. देवनानी ने कहा कि समितियां सदन का लघु रूप होती हैं और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि समितियों के कार्यों को अधिक सक्रिय और जवाबदेह बनाने के लिए सुझावों का विस्तृत प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा है, जिसे जून माह में लोकसभा अध्यक्ष को प्रस्तुत किया जाएगा।

बैठक में यह भी विचार किया गया कि समितियों की रिपोर्ट पर सदन में अधिक प्रभावी चर्चा हो तथा संसदीय शोध और जनहित मामलों में उनकी भूमिका को और मजबूत किया जाए। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों को राजस्थान की समृद्ध संस्कृति से भी परिचित कराया गया। सारंगी वादन, कच्छी घोड़ी नृत्य और कठपुतली कला प्रदर्शन ने सभी आगंतुकों को प्रभावित किया।

इस उच्च स्तरीय बैठक को देश की संसदीय और विधायी प्रक्रियाओं को अधिक मजबूत, पारदर्शी और जनोन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित पीठासीन अधिकारियों की उच्च स्तरीय समिति बैठक को राजस्थान विधानसभाध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी ने संबोधित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की 5 राज्यों से आए विधानसभा अध्यक्षों के साथ मुलाकात

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में स्पीकर्स से मुलाकात की।

जयपुर। देश के विधान मंडलों की समिति प्रणाली की समीक्षा के लिए गठित पीठासीन अधिकारियों की समिति की बैठक में शामिल होने आए विभिन्न राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कॉन्स्टिट्ययूशन क्लब में मुलाकात की। मुख्यमंत्री विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के साथ मध्य प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, उत्तर प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, हिमाचल प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, ओडिशा की विधानसभा अध्यक्ष सूरमा पाढ़ी और सिक्किम के विधानसभा अध्यक्ष मिंगमा नोर्बू शेरपा के सम्मान में आयोजित विशेष भोज में शामिल हुए एवं विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की। इस दौरान उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग एवं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी मौजूद रहे।

पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता और 2 ठेकेदार रिश्वत लेते गिरफ्तार

ए.सी.बी. ने आरोपियों के कब्जे से 4 लाख 4 हजार रुपए भी बरामद किए

जयपुर। सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा में अधिशाषी अभियंता को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में दो ठेकेदारों को भी दबोचा गया है।

एसीबी के पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि विभाग में भ्रष्टाचार की लगातार मिल रही सूचनाओं के आधार पर निगरानी रखी जा रही थी। जांच में सामने आया कि अधिशाषी अभियंता शहजाद मोहम्मद ठेकेदारों से उनके द्वारा किए गए कार्यों के भुगतान के एवज में स्वयं के साथ-साथ अधीक्षण अभियंता खेमचंद मीणा के नाम पर भी रिश्वत की वसूली कर रहा था।

एसीबी अजमेर रेंज के उप महानिरीक्षक नारायण टोगस के सुपरविजन में भीलवाड़ा प्रथम इकाई के उप अधीक्षक पारसमल के नेतृत्व में टीम ने मंगलवार को ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान अधिशाषी अभियंता शहजाद मोहम्मद को कलेक्ट्रेट कार्यालय भीलवाड़ा में ठेकेदार मोडूराम धाकड़ और बनवारीलाल से रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। टीम ने मौके से 4 लाख 4 हजार रुपए की रिश्वत राशि बरामद की। इस दौरान दोनों ठेकेदारों को भी हिरासत में लिया गया। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी अधिकारी ठेकेदारों से संगठित तरीके से 'कलेक्शन' कर रहा था। एसीबी अब इस पूरे नेटवर्क की गहन जांच में जुटी है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस मामले में और कौन-कौन अधिकारी या कर्मचारी शामिल हैं। एसीबी अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि जांच के दायरे को और बढ़ाया जाएगा तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद पीडब्ल्यूडी सहित अन्य विभागों में भी हड़कंप मच गया है और भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी की सख्ती का स्पष्ट संदेश गया है।

एसीबी टीम ने पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन और दो ठेकेदारों को गिरफ्तार किया।

दस हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोबाइल छीनने और मारपीट के मामलों में फरार चल रहे दस हजार रुपए के इनामी बदमाश देवेन्द्र उर्फ लालू (23) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पिछले दो माह से पुलिस की पकड़ से दूर था। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करन शर्मा ने बताया कि 7 मार्च 2026 को परिवादी विजय सिंधी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि तीन अज्ञात बाइक सवारों ने उनके साथ मारपीट कर मोबाइल छीन लिया। इस संबंध में ब्रह्मपुरी थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नीरज पाठक व सहायक पुलिस आयुक्त सुरेंद्र सिंह राणावत के सुपरविजन में ब्रह्मपुरी थानाधिकारी हेमंत जनागल के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी सहायता और खुफिया सूचना के आधार पर आरोपी देवेन्द्र को जयपुर से दबोच लिया।

एएसआई व पूर्व पार्षद दलाल एक लाख रु. रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की डूंगरपुर टीम ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए साइबर पुलिस थाने में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक(एएसआई) मदन लाल एवं उसके लिए दलाली कर रहे पूर्व पार्षद डायालाल पाटीदार को 1 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि डूंगरपुर एसीबी को एक परिवाद प्राप्त हुआ था। जिसमें आरोप लगाया गया कि एएसआई मदन लाल ने परिवादी को धोखाधड़ी के एक मामले में डराते हुए उसकी बेटी और जमाई को गिरफ्तार करने की धमकी दी। आरोप था कि मामले से बेटी और जमाई का नाम हटाने तथा परिवादी को राहत दिलाने के बदले रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत का सत्यापन 5 मई को कराया गया। जिसमें सामने आया कि दलाल के रूप में डायालाल पाटीदार (पूर्व पार्षद) के माध्यम से 1 लाख रुपए की रिश्वत लेने पर सहमति बनी। इसके बाद एसीबी ने जाल बिछाते हुए ट्रैप कार्रवाई की। उप महानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में पुलिस उप अधीक्षक रतन सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई करते हुए मंगलवार को जैसे ही दलाल डायालाल पाटीदार ने एएसआई मदन लाल के लिए परिवादी से एक लाख रुपये की राशि ली। उसी दौरान एसीबी की टीम ने उसे दबोच लिया। इसके साथ ही आरोपी सहायक उप निरीक्षक को भी गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी मदनलाल और डायालाल पाटीदार।

93 प्रतिशत रहा शेखावत का स्ट्राइक रेट

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने 28 सीटों पर प्रचार किया, 26 पर भाजपा जीती

■ कई सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों की जीत का अंतर 70 हजार वोटों से अधिक रहा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जोधपुर सांसद और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने उत्तरी बंगाल में भाजपा की जीत की पटकथा लिखी। शेखावत ने 15 दिन लगातार कैंप कर 28 सीटों पर सघन प्रचार की कमान संभाली और पार्टी को 26 सीटों पर विजय दिलाई। उनका स्ट्राइक रेट 93 प्रतिशत रहा। खास बात यह है कि सभी सीटों पर पार्टी प्रत्याशी बड़े अंतर से जीते, जो पश्चिम बंगाल में पार्टी के प्रदर्शन का निर्णायक आधार बना।

केंद्रीय मंत्री शेखावत को पार्टी नेतृत्व ने कूचबिहार, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी, दार्जिलिंग, सिलीगुड़ी जैसे रणनीतिक जिले का जिम्मा सौंपा था। यह इलाका सीमावर्ती होने के कारण राजनीतिक और सुरक्षा, दोनों लिहाज से संवेदनशील माना जाता है।

लगातार जमीनी डेरा डालकर शेखावत ने स्थानीय समीकरणों को साधा और मतदाताओं के मुद्दों को सीधे चुनावी नैरेटिव में बदला। शेखावत ने डोर टू डोर कैंपेनिंग के अलावा रोड शो, नुक्कड़ सभाएं, कार्यकर्ताओं के साथ रणनीतिक बैठकें कीं। बूथ मैनेजमेंट को मजबूत किया। मारवाड़ी समुदाय समेत प्रभावशाली सामाजिक समूहों को साधकर एक व्यापक समर्थन आधार खड़ा किया।

2021 के विधानसभा चुनाव में शेखावत के आक्रामक और परिणामोन्मुखी अभियान को देखते हुए ही पार्टी ने उन्हें दोबारा यह जिम्मेदारी दी थी। इस बार उन्होंने इसे नतीजों में तब्दील कर दिया। 26 सीटों पर जीत का अंतर सामान्य नहीं, बल्कि रिकॉर्ड स्तर का रहा। माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी में 1,04,265 वोटों की बढ़त, डाबग्राम-फुलबाड़ी में 97,715, सिलीगुड़ी में 73,192, अलीपुरद्वार में 70,420 और कूचबिहार उत्तर में 70,384 वोटों से जीत के आंकड़े बताते हैं कि मुकाबला एकतरफा था।

जलपाईगुड़ी (68,805), माथाभांगा (57,090), मयनागुड़ी (56,503) और कुमारग्राम (52,877) जैसी सीटों पर भी भाजपा प्रत्याशियों ने 50 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। मदारीहाट, फांसीदेवा और फालाकाटा में भी जीत का अंतर 40 हजार से ऊपर रहा, जो संगठनात्मक पकड़ और वोट ट्रांसफर की सटीकता को दिखाता है। केंद्रीय मंत्री शेखावत की रणनीति सिर्फ रैलियों तक सीमित नहीं रही। उन्होंने सीमावर्ती इलाकों की समस्याओं, जैसे सुरक्षा, घुसपैठ, विकास और पहचान को सीधे मतदाताओं के बीच उठाया।

जल संसाधन के निर्माण कार्यों में अनियमितता पर 3 अभियंता निलम्बित

जयपुर। जल संसाधन की महत्वपूर्ण परियोजनाओं के कार्यों में मानक सामग्री का उपयोग नहीं पाए जाने पर 3 अभियंताओं को निलम्बित किया गया है। साथ ही, 3 अभियंताओं को चार्टशीट दी गई है। विभाग अब इन मामलों में दोषी संवेदकों के खिलाफ की कार्रवाई करेगा।

जल संसाधन विभाग के अधीक्षण अभियंता (प्रशासन) ने 5 मई को आदेश जारी किया है। इसमें दायीं मुख्य नहर सीएडी चम्बल कोटा में चल रहे निर्माण कार्यों में अनियमितता पाए जाने पर दायीं नहर उपखंड सीएडी अंता के कनिष्ठ अभियंता नेमीचंद बैरवा, सोनू कुमार गोचर और दीपक चौधरी को निलम्बित किया गया है। इसके साथ ही, दायीं मुख्य नहर खंड द्वितीय सीएडी चम्बल कोटा के अधिशाषी अभियंता हेमराज मीणा, सहायक अभियंता एवं तकनीकी सहायक नरेश मालव और दायीं नहर खंड सीएडी चम्बल अंता के सहायक अभियंता अमित कुमार बोहरा पर भी अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रारंभ की गई है।

पिता ने नाबालिग बेटी को मोहरा बनाकर दर्ज कराया पॉक्सो का मामला

जयपुर । पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1, महानगर द्वितीय ने पॉक्सो से जुडे मामले में आरोपी मनोज कुमार को बरी करते हुए कहा है कि पिता ने अपनी नाबालिग बेटी को मोहरा बनाकर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

यदि वास्तव में पीडिता के साथ अपराध होता तो पीडिता की मां को जानकारी होने के बाद वह रिपोर्ट दर्ज कराती। इसके अलावा परिवादी पक्ष की ओर से पूर्व में भी एक व्यक्ति को दुष्कर्म प्रकरण में फंसाने के बाद पक्षद्रोही होने का मामला सामने आया है। मामले में एफआईआर तीन माह बाद दर्ज कराई गई और पीडिता के बयान भी विश्वसनीय प्रकृति के नहीं पाये जाते हैं।

आरोपी के वकील नाथू सिंह चौहान ने बताया कि पीडिता के पिता ने 16 मार्च, 2022 को पुलिस कमिश्नर को रिपोर्ट दी थी कि 8 दिसंबर, 2021 को वह ड्यूटी से घर लौटा तो उसकी पत्नी व बेटी नहीं मिली। उसे पता चला कि वह मनोज के साथ रह रही है। जब वह उन्हें लेने गया तो उसकी बेटी ने बताया कि आरोपी उसके साथ अश्लीलता करता है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मामला दर्ज कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। जहां पीडिता ने भी आरोप दोहराए। वहीं बचाव पक्ष की ओर से कहा गया कि पूर्व में पीडिता की मां ने एक व्यक्ति के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। जिसमें नौ लाख रुपए लेकर राजीनामा किया गया।

पीडिता की मां और शिकायतकर्ता पिता के बीच झगड़ा होता था। जिसके कारण वह पीडिता के साथ अलग रहती थी और मनोज भी साथ रहता था। इस कारण उसने नाबालिग को मोहरा बनाकर एफआईआर दर्ज करा दी।

700 से अधिक असामाजिक तत्व गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पूर्व जिला पुलिस ने अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए चलाए गए तीन दिवसीय विशेष एरिया डोमिनेशन एवं ऑपरेशन क्रैकडाउन के तहत 700 से अधिक असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त (जयपुर पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर यह विशेष अभियान चलाया गया। अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई।

पतंजलि अनुसन्धान संस्थान और सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया के बीच एमओयू

भारत में विद्यमान असीम संभावनाओं को विश्व पटल पर स्थापित करने का सामर्थ्य है पतंजलि के पास : आचार्य बालकृष्ण

■ यह समझौता ज्ञापन सनातन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के मध्य एक सेतु : प्रोफेसर बेन रॉश

■ अंतरराष्ट्रीय सहयोग ही आधुनिक शिक्षा और अनुसंधान की आधारशिला : प्रोफेसर जॉन वार्डल

हरिद्वार। वैश्विक स्तर पर शिक्षा, अनुसंधान और विशेष रूप से समठा स्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पतंजलि अनुसंधान संस्थान और ऑस्ट्रेलिया की सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी ने समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए है। यह समझौता ज्ञापन कल नई दिल्ली स्थित ऑस्ट्रेलिया उच्चायोग में संपन्न हुई वार्ता के ही आगे की कार्यवाई के अंतर्गत किया है।

यह साझेदारी दोनों संस्थानों के बीच दीर्घकालिक साक्ष्य-आधारित सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक निर्णायक पहल है, जो पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय को वैश्विक मंच पर स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि पतंजलि, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान के समन्वय में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी, जो ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में स्थित एक प्रतिष्ठित शैक्षिणक एवं अनुसंधान संस्थान है, इस साझेदारी के माध्यम से शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

यह सहयोग न केवल दोनों संस्थानों की विशेषज्ञता को एक मंच पर लाएगा, बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान के लिए भी एक सशक्त आधार तैयार करेगा।

उन्होने कहा कि आयुर्वेद केवल एक उपचार पद्धित नहीं, बल्कि जीवन जीने का विज्ञान है और जब इस पारंपरिक ज्ञान का आधुनिक अनुसंधान से समन्वय होता है, तब उसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। पतंजलि के पास भारत में विद्यमान असीम संभावनाओं को विश्व पटल पर स्थापित करने का सामर्थ्य है और यह वैश्विक सहयोग उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

समझौता ज्ञापन समारोह में सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी के प्रो-वाईस-चांसलर (रिसर्च एंड एजुकेशन इम्पैक्ट) प्रोफेसर बेन रॉश कहा कि इस समझौते का मुख्य उद्देश्य अनुसंधान, शिक्षण और छात्र-आदान-प्रदान जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को प्रोत्साहित करना है।

इसके अंतर्गत दोनों संस्थान संयुक्त रूप से आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाले विषयों पर अनुसंधान करेंगे। यह समझौता ज्ञापन सनातन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के मध्य एक सेतु का कार्य करेगा।

सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी के नेशनल सेंटर फॉर नैचुरोपैथिक मेडिसिन के फाउंडेशन डायरेक्टर प्रोफेसर जॉन वार्डल ने आगे बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थान साझा अनुसंधान परियोजनाओं का विकास करेंगे, सरकारी अनुदान के लिए संयुक्त आवेदन करेंगे और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध प्रकाशनों को बढ़ावा देंगे। पतंजलि प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने कहा कि पारंपरिक ज्ञान को वैज्ञानिक प्रमाणों के साथ प्रस्तुत करना ही समय की आवश्यकता है।

पतंजलि अनुसंधान संस्थान और सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी में एमओयू हुआ।

सहकारिता मंत्री ने प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया

जयपुर। सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने मंगलवार को जयपुर स्थित राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंध संस्थान (राइसेम) में आधारभूत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे राज्य सेवाओं (सहकारिता, जेल, उद्योग एवं श्रम कल्याण) के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने पर जोर दिया।

दक ने कहा कि सहकारिता आंदोलन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसके माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक आर्थिक सशक्तीकरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक तकनीक एवं नवाचारों के माध्यम से और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से आ ान किया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए पारदर्शिता, ईमानदारी एवं जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

दक ने अधिकारियों से जन-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने तथा योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचाने का आ ान किया।

दलित इंजीनियर को न्याय देने के बजाय फुटबॉल बना रहा सिस्टम : जूली

■ नेता प्रतिपक्ष ने सवाल उठाया कि ''यह कैसे सुनिश्चित किया जाएगा कि बैरवा पर कोई दबाव न डाला जाए और जांच पूरी तरह से निष्पक्ष हो, क्योंकि मामला सत्ताधारी दल के विधायक से जुड़ा हुआ है?''

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्य की भाजपा सरकार को घेरते हुए दलित उत्पीडन और प्रशासनिक विफलता पर तीखे सवाल खड़े किए हैं। जूली ने कहा कि प्रदेश में दलित इंजीनियर जगनलाल बैरवा को अभी तक न्याय नहीं मिला है। पीड़ित को इंसाफ दिलाने के बजाय भाजपा विधायक, जिला कलेक्टर और सीएमओ के बीच इस प्रकरण को फुटबॉल की तरह घुमाया जा रहा है।

उन्होंने सवाल किया कि आखिर कब तक दलित समाज को न्याय के लिए तरसना पड़ेगा? जूली ने सरकार से सवाल किया है कि यह कैसे सुनिश्चित किया जाएगा कि बैरवा पर कोई दबाव न डाला जाए और जांच पूरी तरह से निष्पक्ष हो क्योंकि मामला सत्ताधारी दल के विधायक से जुड़ा हुआ है ?

जूली ने कहा कि बताया जा रहा है कि एक हाईलेवल कमेटी इस मामले की जांच कर रही है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि यह जांच कब पूरी होगी? सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि जब बगैर जांच के श्री बैरवा को पुलिस के हवाले कर दिया गया था, तो अब इंजीनियर मीणा के मामले में इतनी देरी क्यों? क्या इस सिस्टम से एक दलित इंजीनियर को निष्पक्ष न्याय मिल पाएगा? यह मौजूदा सरकार के दलित विरोधी चेहरे को उजागर करता है

नेता प्रतिपक्ष ने तंज कसते हुए कहा कि आज राजस्थान में पंचायत और स्थानीय निकायों के चुनाव समय पर न कराना भाजपा की हार के डर को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, ''भाजपा का हाल ऐसा है कि घर में नहीं दाने, अम्मा चली भुनाने।'' प्रदेश में चुनाव न होने से लोकतान्त्रिक संस्थाएं ठप पड़ी हैं, विकास कार्य रुके हुए हैं, लेकिन सरकार अपनी विफलता पर पर्दा डालने के लिए बाहरी राज्यों के जश्न में डूबी है।

जो सरकार अपने राज्य के भीतर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पूरा करने का साहस नहीं जुटा पा रही, वह किस मुँह से जश्न मना रही है।